Th" House reassembled tfter lunch at eight»(n minutes past two of the clock Mr. Deputy Chairman in the Chair.

PRESENTATION OF PETITIONS

MR. DEPUTY CHAIRMAN : Before we take up . . .

SHRI BHUPESH GUPTA (West Bengal) : What do we take up ?

MR. DEPUTY CHAIRMAN : .. . special mentions, Presentation of Petitions could be gone through. Shri Prasenjit Barman.

SHRI BHUPESH GUPTA : I would like to know one thing. Where is the Leader of the House

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI S. D. PATIL) : He is coming.

SHRI PRASENJIT BARMAN (West Bengal) : Sir, I beg to present a petition •signed by the allottees of land in E.P.D.P. Colony (Chittaranjan Park), New Delhi, for redressal of their grievances regarding construction of houses thereon by the Delhi Development Authority.

SHRI ABDUL REHMAN SHEIKH fUttar Pradesh) : Sir, I beg to present a petition signed by Shri Bachan Singh Panchhi, President, Jarnmu and Kashmir Shamarthi Action Committee and others regarding problems of displaced persons from Pakistan-occupied areas of Jammu and Kashmir State.

MR. DEPUTY CHAIRMAN : No*, special mention by Shri Shahi.

SHRI DEVENDRA NATH DWIVEDI: Where is the Leader of the House ? Has he reigned ?

REFERENCE TO THE REPORTED ATTACK ON THE HOUSE OF THE CHAIRMAN, PRIVILEGES COMMITTEE OF LOK SABHA AND THE GENERAL ATMOSPHERE OF VIOLENCE AND TERROR IN THE COUNTRY

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही (उत्तर प्रदेश) : श्रीमन्, मैं पहले तो यह निवेदन करूंगा कि स्पेशल मेंशन के लिए जो व्यवस्था श्रीमन्, ने बनाई है, उसको तोड़ करके जब कोई काम होता है तो हाउस म डिस-आर्डर हो जाता है । हमारे स्पेशल मेंशन की एप्लीकेशन ठीक 10 बजे पेश हुई थी आपके कार्यालय में और उसका नम्बर 148 था । यह जिस पर मेंशन होना है यह 10 बज कर 2 मिनट पर पेश हुआ । उसका नम्बर 140 है और उसके बाद कई और सदस्यों का है । मैं इतना ही निवेदन करूंगा कि हाउस में व्यवस्थित ढंग से कार्यवाही चलाने के लिए यह लाजमी है कि जो व्यवस्था आपने बनाई है उसी पर अमल किया जाए । दूसरी बात यह है कि आपने इस सम्बन्ध में यह व्यवस्था बनाई है कि जो लिख कर दें केवल उन्हीं को ही इजाजत दी जाए । आपने श्री माथुर, श्री जगबीर सिंह तथा श्री कमलापति त्रिपाठी जी को जिनकी कि कोई रिटन एप्लीकेशन नहीं थी उनको भी इजाजत दी । इसमें मुझे एतराज नहीं है । मुझे सिर्फ एतराज यह है कि आप जो कुछ कन्वेंशन स्थापित कर रहे हैं वह भविष्य में भी अमल हो । मैं तो एक बात यह कहना चाहता हूं कि संसद् की जब प्रिविलेज कमेटी बैठती है और उसके बाद संसद् का जब फैसला होता है तो वह एक न्यायालय का फैसला होता है . . .

श्रीमती सरोज खापर्डे (महाराष्ट्र) : यह जो आप फिलास्फी की बातें कर रहे हैं, यह हमारी समझ में नहीं आती है ।

{Interruptions)

श्री नागे[illegible] : आपकी समझ में कभी नहीं आएगा, जब तक आप हमारे पास नहीं आएंगी ।

श्री सतपाल मित्तल (पंजाब) : हर आदमी आपकी तरह नहीं . . .

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : आप तो बहुत बार छोड़ चुके हैं . . .

श्री सतपाल मित्तल : एक बार भी छोड़ी हो तो संसद् का सदस्य नहीं रहूंगा . . .

(Interruptions)

श्री योगेन्द्र मकवाणा (गुजरात) : आप तो दल बदलते रहते हैं। एक दल से दूसरे में जाते हैं और दूसरे से तीसरे में चले जाते हैं। दल-बदलुओं के साथ कौन जाएगा ?

(Interruptions)

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही *(Interruptions)* हीं, तुम लोग तो * * * मैं जानता हूं।

SHRI YOGENDRA MAKWANA : Sir, I am on a point of order. *(Interruptions)*

MR. DEPUTY CHAIRMAN : We will expunge the remarks.

श्री योगेन्द्र मकवाणा : चमचागिरी आप कर रहे हो। हम तो वहीं हैं। आप दल बदल कर इधर से उधर घूमते फिरते हो . . .

(Interruptions)

श्रीमती सरोज खापर्डे : शाही जी, आप तो चापलूसी कर रहे हैं। प्रधान मंत्री कभी आपको अपने मंत्रिमण्ड *(Interruptions)* . .

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : संसद् जब प्रिविलेज कमेटी के रूप में बैठती है, उसके सम्बन्ध में जो फैसला करती है वह फैसला एक न्यायालय का फैसला होता है। अपने देश में एक बहुत ही गलत परम्परा यह पैदा हो रही है कि सुप्रीम कोर्ट और हाई कोर्ट के फैसले के बाद उस फैसले को चैलेंज करने के लिए आन्दोलन शुरू कर देते हैं। श्रीमन्, उससे भी आगे एक और बात हो रही है। अगर हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के जज उस फैसले के बारे में . . .

SHRI YOGENDRA MAKWANA ■ You ask your Minister who has written a book called 'Right to revolt"; Ask Mr. George Fernandes. You are now in his company. Ask him.

***Expunged as ordered by the Chair.

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : मैं इसलिए यह कह रहा हूं कि उनके फैसले के बारे में उनके ऊपर अगर हमला हो तो कुछ बात समझ में आती है, लेकिन उनके परिवार के सदस्यों के ऊपर अगर हमले होते हैं तो यह बात समझ में नहीं आती है। अभी श्रीमन्, लोक सभा की प्रिविलेज कमेटी के चेयरमैन श्री समरगुह के कलकत्ता स्थित मकान पर . . .

SHRI GIAN CHAND TOTU (Hirnar chal Pradesh) : Sir, can he refer to the Lok Sabha ?

(Interruptions)

श्री प्यारे लाल कुरील उर्फ तालिब (उत्तर प्रदेश) : यह दल-बदलू क्या बोलता है . . .

(Interruptions)

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही *(Interruptions)* ने का धन्धा करते हैं, लड़कियों को भगाने का, बेचने का धंधा करते हैं . . .

(Interruptions)

श्री भीष्म नारायण सिंह (बिहार) : इधर से लोक सभा के बारे में कुछ लोग कहें, आप कहलवाना चाहते हैं क्या ?

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : श्रीमन्, मैं यह कह रहा था कि प्रोफेसर समर गुह के कलकत्ता स्थित मकान पर बमों से हमला किया गया, लोक सभा के स्पीकर के लड़के की कार बंगलौर में जला दी गई। इस तरह की घटना, मान्यवर, पार्लियामेंट को टेरोराइज करने की घटना है। पार्लियामेंट के अधिकारी, लोक सभा के स्पीकर, राज्य सभा के चेयरमैन और इनकी विभिन्न कमेटियों के चेयरमैन . . . *(Interruptions)* अगर उनके ऊपर हमले हुए तो *(Interruptions)* लेकिन उनके परिवार वालों पर होते हैं इस तौर से देश में प्रजातांत्रिक जो व्यवस्था है . . .

(Interruptions)

डा० लोकेश चन्द्र (नाम निर्देशित) : जिसको आप खत्म कर रहे हैं।

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : प्रजातंत्र की जो संस्थाएं हैं उसके आदर पर कुठाराघात हो रहा है। लोक सभा में इंदिरा गांधी को
उस लोक सभा को भी, संसद् को भी आदर देने को तैयार नहीं हैं। बात करते हैं प्रजातंत्र की और

यहां श्रीमन्, यह कहते हैं कि राज्य सभा के फैसले का सम्मान नहीं हो रहा है और वहां लोक सभा के फैसले के खिलाफ *(Interruptions)* स्पीकर के परिवार वालों पर हमला हो रहा है।

एक माननीय सदस्य : यह चमचागिरी नहीं चलेगी ।

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : प्रिविलेज कमेटी के चेयरमैन के मकान पर हमला हो रहा है।

(Interruptions)

SHRI YOGENDRA MAKWANA : How can he refer to the Lok Sabha Previlege Committee and all that ?

MR. DEPUTY CHAIRMAN : He is not referring to the Privilege Committee. He is just making a mention.

श्रीमती कुमुदबेन मणिशंकर जोशी (गुजरात) : कौन से विषय पर स्पेशल मेंशन हो रहा है।

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : देश में हिंसा का वातावरण पैदा हो रहा है, देश में प्रजातंत्र को खत्म किया जा रहा है। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि यह जो हल्ला-गुल्ला करने वाली खड़ी हो जा रही हैं इसे काम नहीं चलेगा ।

(Interruptions)

श्री योगेन्द्र मकवाणा : आपने इंदिरा गांधी की चमचागिरी की और टिकट मिल गया आपको लेकिन वे ऐसे आदमी नहीं हैं, हम जानते हैं उनको। तुम्हारा मक्खन नहीं चलेगा वे आपको कैबिनेट में लेने वाले नहीं हैं।

श्री उपसभापति : शाही जी को बोलने दीजिए ।

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : ये छेड़खानी करेंगे तो मैं कमलापति को बोलने नहीं दूंगा वे इस बात को ध्यान में रखें। इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि चौधरी चरण सिंह के ऊपर हमले में इन लोगों का हाथ मालूम होता है क्योंकि हिंसा का वातावरण तुम खड़ा कर रहे हो, बसों को जलाना, रेलगाड़ी जलाना, संसद् सदस्यों के घरों पर हमला करना यह तुम कर रहे हो और श्रीमती इंदिरा गांधी का . . . *(Interruptions)* इसलिए मैं चेतावनी देता हूं

जो आग लगा रहे हो, उस आग में तुम जलोगे, उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से. . .

(Interruptions)

SHRI YOGENDRA MAKWANA : They have terrorised the MPs. MLAs. and the public servants. You ask them first before making all these allegations, Mr. Shahi. You do not know the history. *{Interruptions)*

श्री नागेश्वर प्रसाद शाही : जो आग जला रहे हो, उस आग में * * *

(Interruptions)

श्री उपसभापति : आप समाप्त कीजिए। श्री श्याम लाल यादव।

श्री अनन्त प्रसाद शर्मा (बिहार) : उपसभापति महोदय, इन्होंने कहा है कि *(Interrupticns)* वह रिकार्ड पर नहीं जाना चाहिए।

श्री उपसभापति : वह रिकार्ड में नहीं जायेगा।

SHRIMATI PURABI MUKHOPA-' DHYAY (West Bengal) : We have cc me to the last day of this session.

MR. DEPUTY CHAIRMAN : The special mention is still going on.j

SHRIMATI PURABI MUKHOPADHYAY : In the name of special mention you are allowing half-an-hour speech. Will there be and to his special mention ? I want to know that.

MR. DEPUTY CHAIRMAN : I have said in the beginning today that a large number of mentions have been Excepted because, as you said, it is the last day of the session.

-

Yes, Mr. Yadav.

SHRIMATI PURABI MUKHOPADHYAY : If it is special mention, it should take two or three minutes. Yen are allowing the rules of the Hcufe to be flouteJ.

•♦♦Expunged as ordered by the Chair.